

/82/2022

प्रेषक,

हरिचन्द सेमवाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक 30 नवम्बर, 2022

विषय:- वित्तीय वर्ष 2022-23 में राज्य सैक्टर-फ्लड प्लेन जोनिंग का कार्य मद के अन्तर्गत योजना की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-814/प्र0अ0/सि0वि0/नि0अनु0/पी0-27(राज्य सैक्टर), दिनांक 24.03.2022 एवं पत्र संख्या-4425/प्र0अ0/सि0वि0/नि0अनु0/FPZ, दिनांक 01.10.2022 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में राज्य सैक्टर-फ्लड प्लेन जोनिंग का कार्य मद के अन्तर्गत Flood Plain Zoning in Rivers Yamuna, Asan and its Tributaries, Jakhan, Chadrabhaga, Solani, Ratmau, Pindar, Nandakini, Dhauliganga, Ramganga West, Nandhaur, Malini and Ladhiya in Accordance with Utrakhand कुल लागत रु0 491.91 लाख (रु0 चार करोड़ इक्यानवे लाख इक्यानवे हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रथम किस्त (40 प्रतिशत धनराशि) के रूप में रु0 196.76 लाख (रुपये एक करोड़ छियानवे लाख छियत्तर हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) सम्बन्धित धनराशि का व्यय प्रश्नगत योजना के अन्तर्गत किया जायेगा, धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। जहां कहीं आवश्यक हो यथावश्यकता सक्षम अधिकारी/शासन की स्वीकृति व्यय से पूर्व प्राप्त कर ली जाय।
- (ii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (iii) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (iv) धनराशि व्यय करने से पूर्व यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत कार्य किसी अन्य योजना/विभाग से स्वीकृत/वित्त पोषित न हो। अन्य योजना/विभाग से स्वीकृत/ वित्त पोषित होने की दशा में इस शासनादेश द्वारा स्वीकृत धनराशि का उपयोग न किया जाय।
- (v) परियोजना में प्रस्तावित नदियों के Modeling में कार्य स्थल की वास्तविक प्रास्थिति का भी संज्ञान अवश्य लिया जाए, ताकि नदी के वास्तविक बाढ़ परिक्षेत्र का अध्ययन हो सके।
- (vi) सर्वेक्षण कार्य का विभागीय सक्षम स्तर से स्थलीय सत्यापन अवश्य किया जाए। इस हेतु सम्बन्धित अधिकारी द्वारा इस आशय का प्रमाण-पत्र भी मानचित्र में दिया जाय।
- (vii) सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायें।
- (viii) कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई विभाग पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
- (ix) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (x) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

/79782/2022 (xi) स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2023 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जाये। उक्त अवमुक्त की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि पूर्व में उक्त योजनाओं हेतु कोई धनराशि तो अवमुक्त नहीं की गयी है, अर्थात् दोहराव की स्थिति उत्पन्न न हो। यदि ऐसी कोई अनियमितता पायी जाती है तो इस हेतु प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई विभाग एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

(xii) शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

(xiii) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग दिनांक 31.03.2023 तक करना सुनिश्चित किया जायेगा, तथा कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। अवमुक्त धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जाये।

(xiv) स्वीकृत लागत के सापेक्ष कार्य के क्रियान्वयन में यदि कम धनराशि व्यय होती है तो शेष धनराशि शासन को समर्पित कर दी जाये।

(xv) उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2017 तथा मितव्ययता के सम्बंध में समय-समय पर निर्गत किये गये आदेशों एवं निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

(xvi) वित्त विभाग के शासनादेश सं0-236/XXVII(1)/2022/09(150)2019, दिनांक 04.04.2022 एवं शासनादेश संख्या-391/09(150)2019/XXVII(1)/2022, दिनांक 24 जून, 2022 में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्राप्त दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4701-मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-001-निदेशन एवं प्रशासन-04-प्लड प्लेन जोनिंग-53-वृहद निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त अनुभाग-2 की कम्प्यूटर जनित संख्या-1/76908/2022, दिनांक 16 नवम्बर, 2022 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

**Signed by Hari Chandra
Semwal**

Date: 29-11-2022 19:27:55

(हरिचन्द्र सेमवाल)
सचिव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड, कौलागढ़ रोड, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कौलागढ़ रोड, देहरादून।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
4. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी हरिद्वार।
6. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

**Signed by Jai Lal Sharma
Date: 30-11-2022 13:34:49**

(जे0एल0शर्मा)
संयुक्त सचिव।